791925

कुल पृष्ठ संख्या 32 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या

# माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

## उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

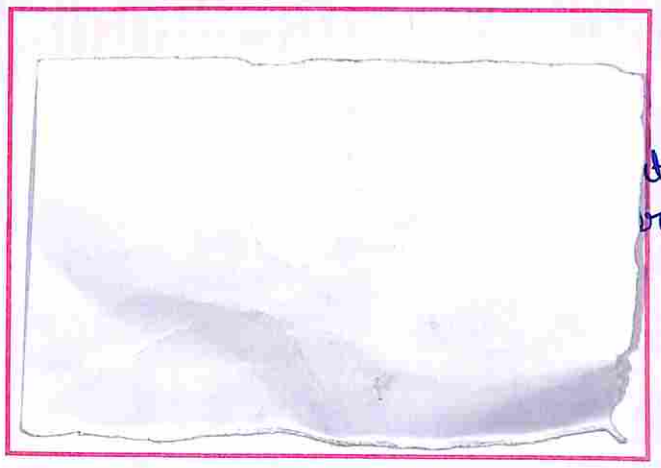

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय Sanskrit SAH.

परीक्षा का दिन wednesday

दिनांक 09-04-2025

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

**परीक्षक हेतु निर्देश :–** (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

### प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

| प्रश्नों की क्रम संख्या | प्राप्तांक | प्रश्नों की क्रम संख्या | प्राप्तांक |
|---|---|---|---|
| 1 | 10 | 19 | |
| 2 | 4 | 20 | |
| 3 | 10 | 21 | |
| 4 | 1 | 22 | |
| 5 | 2 | 23 | |
| 6 | 1½ | 24 | |
| 7 | 2 | 25 | |
| 8 | 2 | 26 | |
| 9 | 4 | 27 | |
| 10 | 8 | 28 | |
| 11 | 5 | 29 | |
| 12 | 5 | 30 | |
| 13 | 5 | 31 | |
| 14 | 3 | योग | 79½ |
| 15 | 3 | प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off) | |
| 16 | 4 | अंकों में | शब्दों में |
| 17 | 5 | 80 | अशीतिः |
| 18 | 5 | | |

परीक्षक के हस्ताक्षर ........ संकेतांक 2 0 8 6 9

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 180/2025

## परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:–
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

## खण्ड - 'अ'

Q:1

Ans.

(i) (ब) शिवराजविजयत:

(ii) (अ) कर्माणि

(iii) (स) चातक:

(iv) (द) भूषणानि

(v) (अ) विकल्प:

(vi) (स) ओडिशा सर्वकारस्य

(vii) (ब) षड्विधम्

(viii) (अ) वसन्ततिलका

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|
| | (ix) | (द) पुरीषम् |
| 10 | (x) | (स) अतिशयोक्ति: |
| | Q:2 Ans | |
| | (i) | श्रीनायार: पत्रमेकं पठन् ______ आसीत् । |
| | (ii) | स: जीवितुं ______ अधिकारं दत्तवान् । |
| | (iii) | बालकस्य पटुता ______ प्रशंसनीया । |
| 4 | (iv) | सदा स्वच्छं जलं पेयम् ______ । |
| | Q:3 Ans. | |
| | (i) | भवभूते: सर्वोत्कृष्टा रचना उत्तररामचरित । |

BSER-180/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|
| | (ii) | श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादश (18) अध्यायाः सन्ति। |
| | (iii) | महाकवि बाणभट्टस्य कथाकाव्यं कादम्बरी। |
| | (iv) | महाभाष्यं पतञ्जलि रचितम्। |
| | (v) | वेदस्य सारः 'उपनिषद्' समाहितो वर्तते। |
| | (vi) | 'जयपुरविलासः' - 'राजवैद्यकृष्णरामभट्ट'। |
| | (vii) | गोविन्द वैभवम - भट्टमथुरानाथशास्त्री। |
| | (viii) | 'यात्राविलास' - 'पं. नवलकिशोरशास्त्रीकांकर'। |
| | (ix) | महावीर सौरभवम। |
| 10 | (x) | 'मोहभङ्गम' - 'डॉ. रसिकबिहारी जोशी'। |

BSER-180/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

Q:4
Ans. निः श्वासान्ध इवादर्शश्चन्द्रमा न प्रकाशते।

अलंकार - उपमा

1

लक्षण - साधर्म्यमउपमाभेदे :

खण्ड: - 'ब'

Q:5
Ans. (क) उपजाति:

लक्षण -

अनन्तरोदिरितलक्ष्मभाजौ पादौ यदिभावुपजातयस्ता ।
इत्थं किलान्यास्वपि स्वयपिजातिष्विदनाम: मिश्रितासु वदन्ति ॥

2

उदा. -

अस्त्युत्तरस्याम दिशि देवात्मा,
हिमालयो नाम: नगाधिराज: ।
पूर्वापरौ तोयनिधिवगाह
स्थित पृथिव्या इव मानदण्ड: ॥

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
| --- | --- | --- |

Q:6
Ans. (क) हिमालयो नाम नगाधिराजः ।

| S | S S | | S | S S
जगण तगण जगण

12

छन्द - उपजाति छन्द

Q:7
Ans.

सप्रसंग - प्रस्तुत श्लोकांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'शाश्वती' भाग -2 के द्वितियाध्याय रघुकौत्ससवादः शीर्षक पाठ से उद्‌धृत है। इसमें बताया गया है कि राजा रघु से कौत्स चौदह ~~करोड़~~ विधाओं का ज्ञान किया जिससे वह ~~उन~~ उनका मूल्य देना चहाता है।

भावार्थ - इसमें बताया गया है कि कौत्स ने राजा रघु से शिक्षा प्राप्त की और राजा रघु से अपनी विधया का मूल्य पुछा तो उन्होंने चौदह करोड़ मुद्रा मांगी ।

2

BSER-180/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

Q:8
Ans. अन्वयं -

बुद्धि युक्तो जहातीह उभे सुकृत दुष्कृते। तस्माद्योगाय कौशलम् कर्मसु योग: युज्यस्व ॥

2

Q:9
Ans. (क) अनेजदेकम्

सन्धिविच्छेदं - अनेजत् + एकम

सूत्र - झलां झशोन्ते ।

(ख) नरेन्द्र: -

सन्धिविच्छेदं - नर + इन्द्र:

सूत्र - आदगुण । आदेङ्गुण

4

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

Q:10 Ans. (क) भारतवर्षमिदमस्माकं जन्मभूमिः ।

(ख)

(i) अद्यत्वे संसारे सर्वे देशाः स्वदेशस्योन्नतिसाधने संलग्नाः सन्ति ।

(ii) अधुना सर्वास्मिन् संसारे भारतवर्षस्य आदरो भवति ।

(ग)

(i) वयं भारतीयाः स्वाधीनाः स्मः ।

क्रियापदं स्मः ।

(ii) कर्तृपदं - मनुष्यः ।

(घ) शीर्षक - अस्माकं जन्मभूमिः ।

8

BSER-18/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

खण्ड - 'स'

Q:11
Ans:

(क) तावदकस्मादुत्थितो महान् झञ्झावातः एकः सायं समयप्रवृत्तः स्वभाववृत्तोऽन्धकारः ।

(ख) अन्धकारः द्विगुणितो मेघमालाभिः ।

(ग)

(i) (स) सरलः

(ii) (अ) पन्थाः

5

Q:12
Ans.

(क) सहसा क्रियाम न विदधीत ।

(ख) परमापदां पदं अविवेकः ।

BSER 180/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

(ग)

(i) (ब) सम्पद:

5 (ii) (अ) गुणलुब्धा:

Q:13
Ans.

(क) देशबन्धश्चित्तस्य धारणा ।

(ख) अहिंसासत्यास्तेय ब्रह्मचर्यापरिग्रहा: यमा: ।

(ग)

(i) (स) आसनम्

5 (ii) (द) बोधयामि

Q:14
Ans.

(क) तस्य केन सह कश्चित् सम्पर्क: नास्ति ।

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
| --- | --- | --- |

(ख) कस्य मानसं न रमते ।

(ग) कति गुणाः पुरुषं दीपयन्ति ।

(घ) त्वं किं कुरु ।

(ङ) कस्या मृत्युं तरति ।

3

Q:15

Ans.

(क) श्लेषः –

लक्षणम् – श्लिष्टैः पदैरनेकार्थाभिधाने श्लेष इष्यते

उदा. – उच्छलद् भूरिः कीलाल शुशुभे विहिनपा

3

BSER180/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

खण्ड - 'द'

Q.16
Ans.

(क) शिष्य: गुरुं प्रति नमस्करोति।

विभक्ति - द्वितीय

कारण - अभितपरितसमयनिकषा हा धिक् प्रति योगे।

(ख) पत्नी स्वपतिना सह आपणं गतवती।

विभक्ति - तृतीय

कारण - सहयुक्तेप्रधान । सह प्रति योगे

(ग) ग्रामम उभयत: वृक्षा: सन्ति।

विभक्ति - दितिय

कारण - अभित: परित: समयनिकषा हा धिक् प्रतियोगे।

BSER-18W/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

(घ) अलं बिवादेन

विभक्ति - तृतीया

कारण - अलं योगे

(ङ) जनकाय नमः ।

विभक्ति - चतुर्थी

कारण - नमस्वस्तिस्वाहास्वधावषट् अलं योगाच्च

(च) धनात् जानं गुरुतरम् ।

विभक्ति - पञ्चमी

~~कारण~~ -

BSER-180/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

Q:17
Ans:- (ख) महाकविः कालिदासः ।

भारते एव न अपितु सम्पूर्ण विश्वे महाकविः कालिदासः श्रेष्ठम कवि अस्ति । महाकविः कालिदासः अद्यैव लघुकनिष्ठकस्य कवि अस्ति । महाकविः कालिदासः संस्कृते सप्तकृत्य सान्ति तेषां नामान्यापि रघुवंशम कुमारसंभवम च द्वे महाकाव्य, ऋतुसंहार मेघदूतं च द्वे गीतिकाव्य, त्रीणि नाटकानि सन्ति - अभिज्ञानशाकुन्तलम, मालविकाग्निमित्रम, विक्रमोर्वशियम । महाकविः कालिदास सर्वोच्च कवि अस्ति ।

5

Q:18
Ans.

(क) वयं पठित्वा ~~क्रीड़न्ति~~ क्रीड़ामः ।

(ख) नदिषु गङ्गा पवित्रतमा ~~अ~~ अस्ति ।

(ग) विष्णु वैकुण्ठे अधिवसति ।

BSER-180/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|
| | (घ) | ग्रामम अभितः वनानि सन्ति । |
| | (ङ) | विद्यया यशः भवति । |
| | (च) | त्वं तत्र गच्छ । |
| | (छ) | ईश्वरः रक्षति । |

BSER 180/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|
| | | समाप्त |

BSER-180/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

BSER-180/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

BSER-180/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

BSER-180/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

BSER-180/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
| --- | --- | --- |

BSER-189/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

BSER-180/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

BSER-180/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

BSER - 30/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

BSER-180/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

RSEP 180 2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

RSER-180/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

BSER-180/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
| --- | --- | --- |

BSER-150/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

BSER-180/2025

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
| --- | --- | --- |
| | | यमाताराजभानसलगा |
| | | । ऽ ऽ ऽ । ऽ । । । ऽ |

BSER-180/2025